भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-5854

उत्तर देने की तारीख-30/03/2026

स्कूली और उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली का कार्यान्वयन

†5854. **श्रीमती रूपकुमारी चौधरी:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत परिकल्पित स्कूली और उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के कार्यान्वयन की स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार ने छात्रों के बीच नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए मूल्य आधारित और नैतिक शिक्षा के लिए कोई राष्ट्रीय ढांचा तैयार किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा भारतीय दर्शन, वैदिक साहित्य, योग, आयुर्वेद, पारंपरिक गणित, खगोल विज्ञान और स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को शिक्षा की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए क्या पहल की गई है;

(घ) देश में विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में कितने आईकेएस केन्द्र, पीठ या अनुसंधान कार्यक्रम स्थापित किए गए हैं; और

(ङ) क्या सरकार ने शिक्षकों को मूल्य आधारित शिक्षा और भारतीय ज्ञान परंपराओं को पढ़ाने की क्षमता से युक्त करने के लिए कोई शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ङ) भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को एक समग्र और बहु-विषयक शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तैयार किया है जिसमें भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) के एकीकरण और संवर्धन पर विशेष बल दिया गया है। इस नीति में शिक्षार्थी-केंद्रित और समग्र शिक्षा को सुदृढ़ बनाने, डिजिटल शिक्षा और प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने, संस्थागत शासन, प्रत्यायन और उद्योग सहयोग को बेहतर बनाने, अकादमिक अनुसंधान और अंतर्राष्ट्रीयकरण को प्रोत्साहित करने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) के विकास को आगे बढ़ाने की भी परिकल्पना की गई है।

एनईपी 2020 की संकल्पना के अनुरूप, सरकार ने पूरे शिक्षा तंत्र में पाठ्यक्रम से जुड़े कई सुधार किए हैं। इस संबंध में, शिक्षा मंत्रालय की एक पहल स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ-एसई) 2023 तर्कसंगत और स्वतंत्र सोच का विकास करने, समग्र मन-शरीर कल्याण के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने, सामुदायिक, आर्थिक और सांस्कृतिक भागीदारी को सुदृढ़ करने सहित स्कूल शिक्षा के पाँच उद्देश्य प्रदान करती है। एनसीएफएसई 2023 के अध्यायों में एक 'रूटेडनेस इन इंडिया' नामक अध्याय स्कूल शिक्षा के विभिन्न चरणों में सभ्यतागत विरासत और भारतीय ज्ञान परम्पराओं पर केंद्रित है।

स्कूल के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) को शामिल करने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं, जिनमें कक्षा XI–XII में एक वैकल्पिक विषय के रूप में "भारत की ज्ञान परंपराएँ और प्रथाएँ" को शुरू करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, एनसीईआरटी ने जादुई पिटारा जारी किया है जो बालवाटिका के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का एक संग्रह है और 3 से 6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए है। इन पाठ्यपुस्तकों में भारतीय ज्ञान परम्पराओं, स्वतंत्रता आंदोलन, संवैधानिक मूल्यों, स्थानीय इतिहास और भाषाओं को शामिल किया गया है।

उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र योजना अर्थात भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) के माध्यम से भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों में अनुसंधान, पाठ्यक्रम एकीकरण और क्षमता निर्माण को भी बढ़ावा देता है। इस योजना ने शिक्षा प्रणाली में भारतीय ज्ञान और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे आईकेएस माइनर्स प्रोग्राम; आईकेएस रिसर्च फॉर प्रपोज़ल्स प्रोग्राम और आईकेएस रिसर्च सेंटर प्रपोज़ल्स प्रोग्राम के माध्यम से आईकेएस अंतरविषयक अनुसंधान; आईकेएस पाठ्यपुस्तक और पाठ्यक्रम सामग्री लेखन कार्यक्रम; आईकेएस संस्थागत प्रशिक्षुता; आईकेएस पंचतंत्र परियोजना; संकाय विकास कार्यक्रम और कार्यशाला; डिजिटलीकरण और भारतीय ज्ञान सरिता और आईकेएस पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय (आईकेएस-टीकेडीएल) कार्यशाला कार्यान्वित किए हैं। आज दिनांक की स्थिति के अनुसार उच्चतर शिक्षा संस्थानों में 100 से अधिक आईकेएस केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं और अनुसंधान क्षमता विकसित करने के लिए 140 अंतर्विषयक अनुसंधान परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है। आईकेएस केन्द्रों के माध्यम से पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रमों का विवरण https://iksindia.org/courses-offered-by-iks-centers.php पर उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने भारतीय दर्शन, वैदिक साहित्य, योग, आयुर्वेद, पारंपरिक गणित, खगोल विज्ञान और स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को मुख्यधारा की शिक्षा में एकीकृत करने के लिए कई पहलें की हैं। इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने निम्नलिखित दिशानिर्देश अधिसूचित किए हैं:

i. उच्चतर शिक्षा के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) को शामिल करने के लिए दिशानिर्देश। यह निर्दिष्ट करता है कि यूजी या पीजी कार्यक्रम में नामांकित प्रत्येक विद्यार्थी को आईकेएस में क्रेडिट कोर्स करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिनका कुल मान अनिवार्य क्रेडिट के कुल योग का कम से कम 5% हो।

ii. उच्चतर शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के लिए मानवीय मूल्यों और व्यावसायिक नैतिकता (मूल्यप्रभा) के समावेश हेतु दिशानिर्देश

iii. भारतीय विरासत और संस्कृति पर आधारित पाठ्यक्रम शुरू करने संबंधी दिशानिर्देश

इसके अतिरिक्त, शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत 'मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम' (एमएमटीटीपी) शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाने, प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और बहु-विषयक शिक्षण को प्रोत्साहित करने पर बल देता है। यह कार्यक्रम 151 चिह्नित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्रों (एमएमटीटीसी) के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमएमटीटीपी) का एक मुख्य घटक दो-सप्ताह का ऑनलाइन एनईपी अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य शिक्षकों को भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) और बहुभाषावाद सहित एनईपी 2020 के मुख्य विषयों से परिचित कराना है ताकि उन्हें शिक्षण पद्धतियों में एकीकृत करना आसान हो सके। आज दिनांक की स्थिति के अनुसार, इस कार्यक्रम के तहत 1.80 लाख से अधिक संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, एमएमटीटीसी आईकेएस संबंधी अल्पकालिक कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं और अब तक ऐसे 52 कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं जिनसे लगभग 8,000 संकाय सदस्यों और 2,000 शोधार्थियों लाभान्वित हुए हैं।

******